विकलांग मंच

विकलांग समुदाय का मार्गदर्शक पाक्षिक

वर्ष : 31 अंक: 5	जयपुर 1 सितम्बर, 2016	RNI No.: 46429/86 Po.Regn.No.:Jaipur City/207/2015-17	वार्षिक शुल्क: 50/- प्रति मूल्य: 2.50

विकलांग मंच के आजीवन/वार्षिक सदस्य बनें एवं दूसरों को भी इसके सदस्य बनने की प्रेरणा दें

विकलांग मंच

8/141, मालवीय नगर, जयपुर-302017

फोन:0141-2547156, 9351960369,9352320013, फैक्स:0141-4036350

E-Mail:vicklangmanch@ymail.com E-Mail:vicklangmanch@gmail.com

दृष्टिबाधितों के लिए ऑनलाइन पुस्तकालय

दृष्टिबाधित और दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य प्रारूप में कई भाषाओं में दो लाख से भी ज्यादा पुस्तकें उपलब्ध

नई दिल्ली। सुगम्य डिजिटल भारत की तरफ एक कदम आगे बढ़ते हुए 'सुगम्य पुस्तकालय' (दृष्टिबाधित लोगों के लिए एक ऑनलाइन पुस्तकालय) का शुभारंभ विधि एवं न्याय और संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने किया। सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्रालय के विकलांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित एक समारोह में इस पुस्तकालय की शुरूआत की गई। इस समारोह की अध्यक्षता सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्री थावरचंद गहलोत ने की। केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावडेकर और सामाजिक न्याय और आधिकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और रामदास अठावले मुख्य अतिथि थे। उद्घाटन समारोह से पहले सुगम्य डिजिटल भारत पर एक पैनल परिचर्चा का आयोजन भी हुआ।

इस अवसर पर रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह सूचना और प्रौद्योगिकी का

दौर है क्योंकि यह दोनों ही बड़ी शक्तियां है। डिजिटल इंडिया के माध्यम से हम संपन्न और वंचितों के बीच के अंतर को खत्म करने का प्रयास कर रहे है। हमनें देश में सामान्य सेवा केन्द्रों से दिव्यांगजनों को जोड़ा है साथ है राष्ट्रीय सूचना केन्द्र दिव्यांगजनों के अनुकूल 100 सरकारी वेबसाइट बनाने की प्रक्रिया में है, जिनमें से 16 को पहले ही दिव्यांगजनों के इस्तेमाल में आसान बना दिया गया है। उन्होंने गैर-सरकारी संगठनों और नागरिकों से सरकार को महत्वपूर्ण सुझाव देने के लिए वेबसाइट इस्तेमाल करने का भी आह्वान किया।

वहीं थावरचंद गहलोत ने कहा कि उनका मंत्रालय सुगम्य भारत अभियान के लिए प्रतिबद्ध है और कई शहरों में इमारतों को सुगम्य बनाया जाएगा। 6 लाख से भी ज्यादा दिव्यांगजनों को उपकरण दिए गए है। जबकि ऐसे लोगों को सम्मानित करने के लिए चार हजार शिविर भी लगाए गए हैं। दिव्यांगजनों और समाज के दबे-कुचले लोगों को ऊपर उठाने के लिए यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 18 नई ब्रेल प्रिंटिंग प्रेस स्थापित करने के लिए अनुमति दे दी गई है। त्रिवेंद्रम के दिव्यांग कॉलेज को दिव्यांग विश्वविद्यालय में परिवर्तित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वाराणसी में जब 1500 दिव्यांगजनों को उपकरण वितरित किए जाएगे तो यह एक विश्व रिकॉर्ड होगा।

अपने संबोधन में मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कहा कि उनका मंत्रालय दिव्यांगजनों को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि उनका पहला दीक्षांत संबोधन चित्रकूट में दिव्यांग विश्वविद्यालय में होगा।

इस अवसर पर कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि दिव्यांगजनों को लोगों की दया की आवश्यकता नहीं है, बल्कि उन्हें प्यार, स्नेह और सहायता चाहिए। सुगम्य पुस्तकालय की शुरूआत के जरिए उन्हें महत्वपूर्ण जानकारी हो सकेगी। साथ ही इस पहल में प्रकाशकों का सहयोग भी उन्होंने मांगा।

रामदास अठावले ने कहा कि समाज के दिव्यांगजनों और पिछड़ों के हितों और बेहतरी के लिए काम करना उनके मंत्रालय की पहली प्राथमिकता है। साथ ही उन्होंन उम्मीद जताई कि यह पहल अपना लक्ष्य हासिल करेगी।

इस अवसर पर सक्षम ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्ट्री दीपेन्द्र मनोचा ने ई-लाइब्रेरी सुगम्य पुस्तकालय पर एक संक्षिप्त प्रस्तावना पेश की।

सुगम्य पुस्तकालय एक ऑनलाइन मंच है, जहां पर प्रिंट विकलांग लोगों के लिए सुलभ सामग्री उपलब्ध करायी जाती है। इस पुस्तकालय में विविध विषयों और भाषाओं तथा कई सुलभ प्रारूपों में प्रकाशन उपलब्ध है। इसे डेजी फोरम ऑफ इंडिया संगठन के सदस्यों और टीसीएस एक्सेस के सहयोग से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग द्वारा तैयार किया गया है। यहां पर दृष्टिहीन और अन्य प्रिंट विकलांग लोगों के लिए सुलभ प्रारूपों में पुस्तकें उपलब्ध हैं। विविध भाषाओं में दो लाख से अधिक किताबें हैं। देश और दुनिया भर में सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय पुस्तकालय, बुकशेयर सहित पुस्तकालयों का एकीकरण किया जा रहा है।

अंतिम उपयोगकर्ता यानि प्रिंट विकलांग व्यक्ति के मामले में अब अगर प्रिंट विकलांग जन किताब पढ़ना चाहता है तो इसके लिए उसे किसी पढ़ कर सुनाने वाले व्यक्ति या स्कैन और संपादन करने के लिए स्वयंसेवकों की तलाश करने के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। सुगम्य पुस्तकालय पर शीघ्र खोज के बटन को क्लिक करते ही उसे अपनी पसंद की पुस्तके मिल जायेंगी। इसके लिए उसे डीएफआई संगठन में प्रिंट विकलांग सदस्य के रूप में पंजीकरण करवाना होगा। जिसके बाद वह अपनी सदस्यता के जरिये पुस्तक डाउनलोड कर सकता है या ऑफलाइन खरीद सकता है। वह एक बटन क्लिक कर पुस्तकालय की सभी किताबों तक पहुंच सकता है। मोबाइल फोन, टेबलेट, कम्प्यूटर, डेजी प्लेयर जैसे अपनी पसंद के किसी भी उपकरण पर ब्रेल लिपि में भी पुस्तकें पढ़ी जा सकती है। ब्रेल प्रेस वाले संगठन के सदस्य के जरिये वे ब्रेल लिपि की प्रतिलिपि भी मंगवा सकते हैं।

स्कूल/कॉलेज/पुस्तकालय के मामले में

विश्वविद्यालय, स्कूल पुस्तकालय, सार्वजनिक पुस्तकालय या इस प्रकार के अन्य संस्थान डीएफआई के सदस्य बन सकते हैं अथवा अपने प्रिंट विकलांग सदस्यों या छात्रों को सुगम्य पुस्तकालय का पूरा संग्रह उपलब्ध कराने के लिए ऑन लाइन पुस्तकालय के सदस्य बन सकते हैं। शैक्षिक संस्थान भी इस पुस्तकालय में अपने छात्रों के लिए सुलभ प्रारूप में उपलब्ध कराने के लिए तैयार की गई पुस्तकों का योगदान दे सकते हैं ताकि अन्य संस्थानों के छात्रों को भी वही पुस्तकें उपलब्ध हो सके और कई स्थानों पर ऐसी पुस्तकों को दोबारा तैयार करने की आवश्यकता भी नहीं पड़ेगी।

पाठ्य पुस्तक प्रकाशक के मामले में

ये लोग विकासशील देश में सबसे अधिक पहुंच वाले ऑन लाइन पुस्तकालय का निर्माण कर इतिहास का एक हिस्सा बन सकते हैं। प्रिंट विकलांग लोगों को शामिल कर अपने पाठक आधार को बढ़ाने के लिए वे अपने प्रकाशनों को सुलभ प्रारूपों में सुगम्य पुस्तकालय पर साझा कर सकते हैं। पुस्तकालय की पहले से ही रीडर्स डाइजेस्ट और इंडिया टूडे जैसे प्रकाशनों के साथ साझेदारी है और वह बड़ी संख्या में निजी और सरकारी प्रकाशन विभाग और प्रकाशनों के साथ नई साझेदारी करना चाहता है। पाठ्यपुस्तक प्रकाशन विभाग, राज्य पाठ्य पुस्तक बोर्ड (एससीईआरटी, एनसीईआरटी) इस मंच के जरिये प्रिंट विकलांग छात्रों के लिए अपनी सामग्री उपलब्ध कराकर शिक्षा के अधिकार अधिनियम (2009) के अंतर्गत अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह कर सकते हैं। सुगम्य पुस्तकालय से जो सामान्य प्रिंट नहीं पढ़ पाते हैं केवल उन्हें पुस्तकें देने से पुस्तकें संरक्षित रहेंगी।

गैर-सरकारी संगठन के मामले में

वे एक सदस्य के रूप में प्रिंट विकलांग लोगों के लिए पुस्तकालय सेवा शुरू कर सकते हैं और अपने सदस्यों को सुगम्य पुस्तकालय की पूरी सामग्री उपलब्ध करा सकते हैं।

कॉरपोरेट के मामले में

उनके कर्मचारी स्वयं अपनी इच्छा से सामग्री तैयार कर करोड़ो प्रिंट विकलांग लोगों की मदद कर सकते हैं। सूचना प्रोद्योगिकी उद्योग सभी भारतीय भाषाओं में डिजिटल सामग्री के लेखन और पाठन में खामियों को दूर करने के लिए प्रोद्योगिकी विकसित कर योगदान दे सकते हैं।

सिविल सेवा आवंटन संबंधी याचिका स्वीकार

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने यूपीएससी सिविल सेवा के सभी चरणों की परीक्षा पास करने वाली दिव्यांग महिला की उस याचिका को स्वीकार कर लिया है जिसमें शारीरिक रूप से विकलांग श्रेणी के तहत भारतीय प्रशासनिक सेवा या भारतीय विदेश सेवा आवंटित करने का अनुरोध किया गया है।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति नाजमी वजीरी की पीठ ने

केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) द्वारा दिए गए आदेश में संशोधन करते हुए कहा, वह सिविल सेवा परीक्षा-2012 के तहत भारतीय विदेश सेवा के आवंटन नियुक्ति के लिए पात्र है।

श्वेता बंसल ने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण के उस आदेश को भी खारिज करने का अनुरोध किया है जिसमें अधिकरण ने उनकी पसंद की सेवा आवंटित करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया था।

विचार मंच

जब तक इच्छा है तब तक मोह है और जब तक मोह है तब तक द्वन्द है।

-अज्ञात

कोशिश पहल करने की

विकलांगता एक ऐसी परिस्थिति है जिससे आप चाह कर भी पीछा नहीं छुड़ा सकते। एक आम आदमी छोटी छोटी बातों पर झुंझला उठता है तो ज़रा सोचिये उन लोगों का जिनका खुद का शरीर उनका साथ छोड़ देता है, फिर भी जीना कैसे है कोई इनसे सीखे, कई लोग ऐसे है जिन्होंने विकलांगता जैसी कमज़ोरी को अपनी ताकत बनाया है तो कई लोग ऐसे भी जो ज़िन्दगी से निराश होकर इसी कमज़ोरी पर सिर्फ आंसू बहाया है।

लेकिन विकलांग लोगों से हम मुंह नहीं चुरा सकते क्योंकि आज भी कहीं न कहीं हम जैसे आम लोग ही इन्हें हीन भावना का शिकार बना रहे है, उनकी कमज़ोरी का मज़ाक उड़ा कर उन्हें और कमज़ोर बना रहे है, उन्हें दया से देखने के बजाये उनकी मदद करें, आखिर उन्हें भी जीने का पूरा हक है और यह तभी मुमकिन है जब आम आदमी इन्हें आम बनने दें, वरना वो दिन दूर नहीं जब यह लोग अलग प्रांत जैसी मांग करेंगे जहाँ इन्हें सुकून और शांति की ज़िन्दगी मिल सके। सरकार की भी कोशिश होनी चाहिए की वह इनके अधिकारों से इन्हें रूबरू कराएँ, इन्हें बंदी न बनने दें। लोग ये बात ना भूलें की अपंग और विकलांग कोई भी कभी भी बन सकता है। जिन घृणा भरी नज़रों से हम इन्हें देखते है उन्ही नज़रो में अगर खुद के किसी व्यक्तिगत आपातकाल का नजराना देख लें तो विकलांगों के प्रति ये भावना अपने आप दूर हो जाएगी। ज़रा सोचिए इनके हालात, जहाँ आज के समय में जब खून के रिश्ते तक धोका दे जाते है और अपना सहारा स्वयं बनना पड़ता है, ऐसे में अगर आप का खुद का शरीर ही साथ न दे तो इंसान किस उम्मीद पर जिएगा किसके सहारे जिएगा। फिर भी यह अपनी अलग दुनिया बनाकर खुश रहना सीख लेते है। लोगों की हीनता से भरी नज़र की आदत दाल लेते है। हालांकि सरकार ने इनके लिए कई योजनाये मुहैया करायी है, मगर क्या सिर्फ इतना ही इनके लिए काफी होगा। विकलांग दिवस तक सुनिश्चित करने पर इन सबका क्या फायदा अगर इनसे उन लोगों को कोई खुशी ही न मिले, क्यूंकि इनका आत्मसम्मान तो फिर भी ठोकरे खा ही रहा है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है की विकलांग लोगों को बेसहारा और अछूत क्यों समझा जाता है। उनकी भी दो आँखे दो कान दो हाथ और दो पैर हैं और अगर इनमे से अगर कोई अंग काम नहीं करता तो इसमें इनकी क्या गलती। यह तो नसीब का खेल है। इंसान तो यह तब भी कहलायेंगे। जानवर नही। फिर इनके साथ जानवरों जैसा बर्ताव कहा तक सार्थक है। किसी के पास पैसे की कमी है, किसी के पास खुशियों की, किसी के पास काम की तो अगर वैसे ही इनके शारीरिक, मानसिक, ऐन्द्रिक या बौद्धिक विकास में किसी तरह की कमी है तो क्या बड़ी बात है। कमी तो सबमे कुछ न कुछ है ही, कोई भगवन तो है नहीं। तो इन्हें अलग नज़रो से क्यों देखा जाए।

अगर हम इनकी मदद करने के बारे में सोचें तो हर कोई चैन से साथ रह पायेगा, जैसे की अगर किसी के सुनने की शक्ति कमज़ोर है तो उसे लिप रीडिंग, यानी होठों को पढ़ने की विद्या, सिखाई जा सकती है। इनकी आँखों का इस्तेमाल करके इन्हें सशक्त बनाया जा सकता है। वैसी ही अगर कोई देख नहीं सकता तो उसके सुनने की शक्ति को इतना मज़बूत बनाये की वो कानों से ही देखने लगे और नाक से महसूस करले। कोई अंग ख़राब है तो ऐसा पहनावा दें की वो छिप जाए और इंसान पूरे आत्मविश्वास के साथ सर उठाकर चल सके। ऐसी कई तमाम चीज़े हैं जिससे विकलांगता की समस्या को अनदेखा किया जा सकता है और दवा और दुआ तो दो ऐसे विकल्प है जिनपर यह दुनिया चलती है। अब इस समस्या को हम इस दुनिया से मिटा नहीं सकते पर हाँ इससे लड़कर हम इसे दुनिया से गायब ज़रूर कर सकते हैं। बात सिर्फ पहल करने की है।

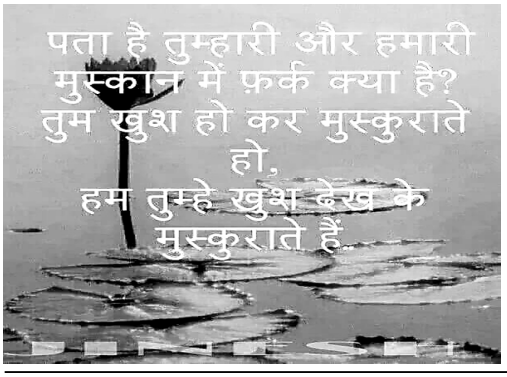

सफलता के लिए निरंतर मेहनत जरूरी

देवराला स्थित नवोदय स्कूल में एलुमनाई मीट आयोजित

भिवानी। जीवन में अपना लक्ष्य निर्धारित करके उसे पाने के लिए निरंतर मेहनत करें। सफलता मिलने तक आने वाली दिक्कतों का साहस के साथ मुकाबला करें और निरंतर प्रयास करते रहें। यह आह्वान जेएनवीडी एलुमनी एसोसिएशन भिवानी के पदाधिकारियों व सदस्यों ने जवाहर नवोदय विद्यालय देवराला के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए किया। जवाहर नवोदय विद्यालय के बहुउद्देशीय हॉल में आयोजित एलुमनाई मीट में विभिन्न क्षेत्रों, देशों व विभागों में उच्च पदों पर कार्यरत सैकड़ों पूर्व छात्रों ने भागीदारी की। कार्यक्रम में पूर्व विद्यार्थियों ने वर्तमान, विशेषकर जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता भी प्रदान की।

इस अवसर पर एसोसिएशन के सदस्य मुकेश शर्मा ने ड्रिप सिस्टम पर आधारित बाग को विकसित करने के लिए अमरूद व अनार की अच्छी किस्मों के 225 पौधे एसोसिएशन को भेंट किए। कार्यक्रम की शुरूआत में पूर्व छात्रों ने बैच अनुसार अपना परिचय और जॉब प्रोफाईल की जानकारी विद्यार्थियों को दी। इस मौके पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अलावा स्कूल स्टाफ व बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

पूर्व छात्रों ने जेएनवी के वर्तमान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण करना चाहिए और उसे प्राप्त करने के लिए अथक परिश्रम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चे शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी अपना बेहतरीन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करें तथा स्कूल के साथ-साथ अपने जिला, प्रदेश व देश का भी नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि समय-समय पर एसोसिएशन द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों कैरियर काउंसलिंग, मेडिकल कैंप, शिक्षा के क्षेत्र में दी जाने वाले साप्ताहिक कक्षाओं आदि का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि स्कूल द्वारा सभी बच्चों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी कड़ा परिश्रम करें चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो या खेल का मैदान। उन्होंने कहा कि आज इस स्कूल से पढ़े हुए बच्चे देश के विभिन्न हिस्सों में आईएएस, आईआईटी, आईटी, मेडिकल, होटल मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। देश के साथ-साथ विदेशों में भी नवोदियन अपनी सेवाएं विभिन्न क्षेत्रों में दे रहे हैं और स्कूल का नाम रोशन कर रहे हैं।

एसोसिएशन के सदस्यों ने विद्यार्थियों को थ्री-ईडियट फिल्म का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को इस तरह परिश्रम करना चाहिए कि सफलता उसके पीछे भागे, न की आप सफलता के पीछे। उन्होंने कहा कि निरंतर प्रयास करने से कठिन से कठिन कार्य को भी आसानी से पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्रों का अनुशरण करें और जरूरत पड़ने पर उनसे मदद भी लें। उन्होंने कहा कि बार-बार मिलने वाली असफलताओं से हार नहीं माननी चाहिए।

जरूरतमंद व मेधावी बच्चों को दिया अवार्ड

एलुमनाई मीट में अशक्त खिलाड़ी अरूण रंगा को एसोसिएशन की तरफ से अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं मैडल प्राप्त करने पर एसोसिएशन ने उन्हें 75 हजार रुपये की राशि पुरस्कार के रूप में दी। बैंगलोर में आयोजित पैरा ओलंपिक नैशनल चैंपियनशिप प्रतियोगिता में रंगा ने सिल्वर मेडल (द्वितीय स्थान) प्राप्त किया था। अरूण रंगा अब मलेशिया में आयोजित होने वाली एशियन गेम्स के लिए दिल्ली में तैयारियां कर रहे हैं।

इसके अलावा 12वीं कक्षा (नॉन मेडिकल) में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली कुमारी अन्नु को दिल्ली विश्वविद्यालय से बीएससी (ऑनर्स) करने के लिए 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता का चैक प्रदान किया गया। एसोसिएशन द्वारा कुमारी अन्नु को शेष राशि (35 हजार रुपये और) दो किश्तों में उपलब्ध करवाएंगी।

पुलिस आयुक्त अग्रवाल को पोट्रेट स्केच भेंट

जयपुर। राजकीय सेठ आनन्दी लाल पोद्दार मूक-बधिर उ. मा. विद्यालय, जयपुर में रक्षाबन्धन कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य अतिथि जयपुर के पुलिस कमिश्नर संजय अग्रवाल को मूक-बधिर छात्र सुनिल लोदवाल ने लाईव पोट्रेट स्केच बनाकर भेंट किया। विद्यालय के चित्रकला व्याख्याता व प्रभारी योगेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि छात्र सुनिल लोदवाल का हौसला बढ़ाते हुए पुलिस कमिशनर संजय अग्रवाल ने उन्हें पुरस्कृत भी किया । इस अवसर पर अतिरिक्त कमिश्नर प्रफुल्ल कुमार डीसीपी ईस्ट कुवँर राष्ट्रदीप, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय गौरव श्रीवास्तव, एसीपी गाँधी नगर राजपाल गोदारा, प्रधानाचार्य महेश वाधवानी व चित्रकला व शाला प्रभारी योगेन्दऊ सिंह नरूका आदि उपस्थित थे।

विकलांग मंच कार्यालय: प्लाट नं. 141, सेक्टर-8, मालवीय नगर, जयपुर-302017, फोन:0141-2547156. फोटो टाइपसेटिंग: टास्क ग्राफिक्स (मोबा.:9828278728)। मुद्रित: श्रीराम आफसेट, जोरावरसिंह गेट बाहर, आमेर रोड, जयपुर। संरक्षक: डी.आर.मेहता (रिटा.आईएएस)। प्रधान संपादक: एम.आर.सिंघवी (रिटा.आईआईएस)। प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक: एन.के.खत्री। संपादकीय सलाहकार:डॉ. अरुण माथुर। हाडोती अंचल ब्यूरो प्रमुख: अर्जुन देव चद्दा, कोटा। प्रबन्धक:धर्मपाल। E-Mail:vicklangmanch@ymail.com / vicklangmanch@gmail.com

दिव्यांग छात्र रतनलाल कुमावत सम्मानित

राजसमन्द। श्री द्वारकेश अक्षम सेवा संस्थान द्वारा संचालित जागृति उच्च माध्यमिक विशेष विद्यालय में माध्यमिक में अध्ययनर दिव्यांग छात्र रतनलाल कुमावत को स्वतंत्रता दिवस पर मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार रतनलाल कुमावत को जो कि श्रवण बाधित होने के बावजूद उसकी लगन एवं हौसले के कारण जिला स्तरीय एवं राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में 100 मी. दौड व वॉलीबाल में प्रथम स्थान व कक्षा-9 मे भी प्रथम स्थान से उत्तीर्ण होने पर प्रदान किया गया। यह पुरस्कार माननीया किरणी माहेश्वरी, जलदाय एवं भूजल मंत्री द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर जिला कलक्टर श्रीमती अर्चना सिंह एवं जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमान् विष्णुकान्त उपस्थित थे।

मंदबुद्धि बच्चों ने मनाया रक्षाबंधन का पर्व

कोटा। दादाबाड़ी स्थित शिखर स्पेशल स्कूल में विशेष योग्यजन बच्चों ने रक्षाबंधन का पर्व बड़े हर्षोल्लास से मनाया । इस अवसर पर हर्षिता, अलीशा, आशना, पवित्रा, टिया, अनुभवी, सबा व शिवानी ने अभिमन्यु, पवन, निलेश, हर्ष, भरत, भव्य, नलिन एवम अन्य सभी विशेष बालकों के तिलक लगाकर राखी बाँधी। सभी बालक-बालिकायें बहुत खुशी मना रहे थे। संस्था सचिव मीनाक्षी सक्सेना ने सभी बच्चों को इस पर्व के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर विमंदित बालक-बालिकाये अपने को सामान्य बच्चों के समान महसूस कर रहे थे। मीनाक्षी सक्सेना ने बताया कि विशेष बच्चों को सभी पर्वों के बारे में समय-समय पर जानकारी दी जाती है ताकि ये भी समाज की मुख्यधारा से जुड़े रहे ।

राज दिव्यांग सेवा संस्थान की मासिक बैठक

झुंझुनूं। राज. दिव्यांग सेवा संस्थान के प्रदेश महामंत्री हरसिंह महला की अध्यक्षता में संस्थान की मासिक बैठक नेहरू पार्क में हुई इसमें दिव्यांगों की योजनाओं की जानकारियां दी गई। इसक बाद योजनाओं के फार्म संस्थान अध्यक्ष कैलाशचन्द टेलर ने भरवाये। सामाजिक अधिकारिता विभाग झुंझुनूं की ओर से ट्राईसाईकिल सुगनलाल सैनी वार्ड नं 12 खेतडी को दी गई। संस्थान को नगर परिषद क्षेत्र मे भूमि आवंटन करवाने के लिए जिला क्लक्टर महोदय को ज्ञापन दिया गया है ।

तीन मूक बधिर बच्चों को काकल्यिर प्लांट लगाने के प्रयास

अलवर। श्री चन्द्रप्रभु विकलांग कल्याण समिति द्वारा तीन मूक-बधिर बच्चों को काकल्यिर इन प्लान्ट लगवाने की कार्रवाई शुरू की गई है, अगर इन बच्चों की मैडिकल रिपोर्ट सही आई तो समिति तीनों बच्चों को ये नि:शुल्क रूप से ये काकल्यिर प्लान्ट लगवाने का प्रयास करेगी। समिति के संरक्षक खिल्लीमल जैन ने बताया कि अलवर शहर के पूर्व विधायक जीतमल जैन के माध्यम से समिति को यह जानकारी मिली कि अलवर जिले की लक्ष्मणगढ़ तहसील के गांव नंगली लोधा के रघुनन्दन नामक व्यक्ति के तीन बच्चे 10 वर्षीय सोनिया, 7 वर्षीय ज्योति तथा 5 वर्षीय बेटा अजय मूक व बधिर हैं। उन्होंने बताया कि इन बच्चों के मूक बधिर होने की जानकारी मिलने के बाद समिति ने इनके आवेदन पत्र अलियावर जंग राष्ट्रीय बाधितार्थ संस्थान को भेज दिये हैं और शीघ्र ही इन बच्चों की मेडिकल जांच कोटा में कराई जायेगी। इसके बाद इन बच्चों को काकल्यिर इनप्लांट लगाने के प्रयास किये जायेंगे। यदि तीनों बच्चों को ये प्लांट मैडिकल तरीके से लग गये तो तीनों बच्चे बोलने और सुनने लगेंगे।

THE NATIONAL AWARD FOR THE EMPOWERMENT OF PERSONS WITH DISABILITIES, 2016.

Last date for submission of nomination extended upto 5th September, 2016

In continuation of this Department's advertisement regarding nominations for the National Award for the Empowerment of Persons with Disabilities, 2016 which was published in the newspapers during the first week of July, 2016 indicating the last date for submission of applications as 20th of August, 2016, it has been decided with the approval of the competent authority to extend the date of receipt of applications for the National Award for the Empowerment of Persons with Disabilities, 2016 upto 5th September, 2016. Accordingly, all the prescribed authorities for sending the nomination, namely, Central Government Deptts./State Governments/Union Territory Administrations/Public Section Undertakings/National Institutes under this Department, Social Welfare Department of the State Governments/Collectors of the concerned Districts or past recipients of National Award for Empowerment of Persons with Disabilities may send the nominations at the earliest but not later than 5th September, 2016 to Shri O.P. Dogra, Director, Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan), Ministry of Social Justice and Empowerment, Room No. 519, B-2 Wing, 5th Floor, Paryavaran Bhavan, CGO Complex, Lodi Road, New Delhi-110003.

राजस्थान सरकार

प्रगति के पंखों से नई बुलंदियों की ओर...

सभी प्रदेशवासियों को
70वें स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

वसुन्धरा राजे
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान सरकार

राजस्थान संवाद

बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष ने किया तपस बधिर विद्यालय का आकस्मिक दौरा

डूंगरपुर। राजस्थान बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमति मनन चतुर्वेदी ने ''तपस'' शैक्षिक पुनर्वास एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा संचालित ''तपस'' बधिर माध्यमिक आवासीय विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया एवं ''तपस'' संस्थान सचिव पूरणमल शर्मा से व्यवस्थाओं की जानकारी ली। श्रीमति चतुर्वेदी ने उपस्थित मूक बधिर बालक - बालिकाओं के बीच बैठ कर करीब 30 मिनट तक इशारों में चर्चा की। श्रीमति चतुर्वेदी ने कहा की पढ़ाई के साथ-साथ इन बालक- बालिकाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिया जाये ताकी आगे जाकर ये बच्चे किसी पर निर्भर ना रहकर आत्मनिर्भर बन सके। संस्थान में आवासरत बालक-बालिकाओं के खिले चेहरे देख कर बहुत प्रसन्न हुई एवं संस्थान में साफ-सफाई एवं व्यवस्थाओं की सराहना की। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक अशोक कुमार शर्मा, डी.वाई.एस.पी. माधोसिंह सोढ़ा, विरेन्द्र सिंह बेडसा, हर्षवर्धन एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

विकास की यात्रा सद्भाव के बिना आगे नहीं बढ़ सकती

जयपुर। राजस्थान राज्य अल्पसंख्यक आयोग द्वारा यहां शासन सचिवालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में एक संवाद कार्यक्रम के तहत श्रीमद्भावत गीता के उपदेश की वर्तमान में प्रासंगिता विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष जसवीर सिंह ने कहा कि विकास की यात्रा सद्भाव के बिना आगे नही बढ़ सकती है, इसलिए सभी वर्गों के लोगों में आपसी विश्वास कैसे बढ़े इसी उद्देश्य को लेकर सेमिनारों का आयोजना किया गया है।

उन्होंने सद्भाव के उद्देश्य को लेकर की गयी सेमिनार के लिए मुख्यमंत्री के द्वारा भेजे गये संदेश को पढ़कर सुनाया जिससे सभी को गीता में बताये रास्ते पर चलने का आह्वान किया।

सेमिनार में अमरज्ञान निरजंनी आश्रम, भीलवाड़ा के श्री जगदीशपुरी जी महाराज ने मुख्य वक्ता के रूप में सम्बोधित करते हुए कहा कि आज समय में मनुष्यों को अपने कर्त्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने का संदेश श्रीमद् भागवत गीता में दिया है क्योंकि वर्तमान में लोग अपने कर्त्तव्य के प्रति अक्रर्मण्य की सोच के साथ काम कर रहे है ज्यादातर लोग कार्य किये बिना सब कुछ पाना चाहते है जो मानव एवं देश विकास के लिए अच्छा नहीं है।

उन्होंने बताया कि गीता में कहा कि मोक्ष पाने के लिए उच्च कार्य करना जिससे आत्म आनन्द की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि गीता एक मजहब की नहीं है सभी धर्मों को दूसरों के लिए जीने का संदेश देती है। जब तक धरती पर मानव रहेगा जब तक भागवत गीता की प्रासंगिता बनी रहेगी। सेमिनार में राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण के सदस्य ए.बी. शुक्ला ने प्रमुख वक्ता के रूप में सम्बोधित करते हुए कहा कि गीता सकारात्मक सोच के साथ जीने का संदेश देती है, जो कार्य दिया जाता है, उसे हर इंसान को पुरी उत्कृष्ठता के साथ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गीता में लिखा है कि मनुष्य अपना मित्र व शत्रु स्वयं होता है। इसलिए बिना फल की चिन्ता किये अपने कर्त्तव्य को पुरा करते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

इस अवसर पर अल्पसंख्यक विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विपिन चंद शर्मा राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अबूकर नकवी, अल्पसंख्यक आयोग सदस्य लिलियन ग्रेस ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गीता सभी वर्गों के लागों को अच्छे रास्ते पर चलने का संदेश देती है। सेमिनार में अल्पसंख्यक मामलात विभाग के निदेशक श्रीमती शकुन्तला सिंह विभिन्न वर्गों के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

गो हितार्थ कामधेनु सेना की घोषणा

नागौर। विश्व स्तरीय नि:शक्त गो चिकित्सालय के संस्थापक महामण्डलेश्वर स्वामी कुशाल गिरिजी महाराज ने अपने 42वें जन्मोत्सव के अवसर पर गो हितार्थ पाँचवें मिशन कामधेनु सेना की घोषणा करते हुए कहा कि देश मैं गोवंश की हो रही तस्करी व संलिप्त वाहनों को जब्त करवाना व कत्ल खाने जा रहे गोवंश को छुड़ाना, गो अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाना, गोवंश की हत्या पर विरोध प्रदर्शन, गौशालाओ के हितार्थ आवाज उठाना, गोचर भूमि अतिक्रमण मुक्त हेतु आवाज उठाना आदि कई प्रकार के गोवंश हितार्थ कार्य करेगी। स्वामीजी ने इस हेतु महेंद्र सिंह सांखला को कामधेनु सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया है। स्वामीजी ने तुरन्त प्रभाव से भारत के राज्यों मैं पदाधिकारियों की प्रतिदिन नियुक्ति देना शुरू कर दी गई है।

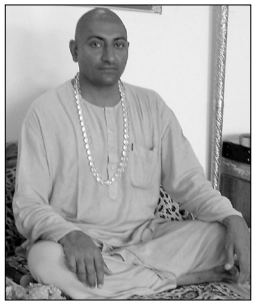

गोपेन्द्रनाथ भट्ट का उदयपुर में अभिनंदन

जयपुर। सूचना एवं जनसंपर्क सेवा विभाग के अतिरिक्त निदेशक एवं राजस्थान सूचना केन्द्र, नई दिल्ली के प्रभारी गोपेन्द्रनाथ भट्ट को स्वाधीनता दिवस पर अजमेर में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में उत्कृष्टतम सेवाओं के लिए सम्मानित होने पर उदयपुर संभाग के जनसंपर्क अधिकारियों तथा मीडिया प्रतिनिधियों ने अभिनंदन किया।

होटल उदयविलास में आयोजित अभिनंदन समारोह में सूचना एवं जनसंपर्क विभागीय उप निदेशक (उदयपुर) डॉ. दीपक आचार्य, सहायक निदेशक कमलेश शर्मा (डूंगरपुर), जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी (बांसवाड़ा) श्रीमती कल्पना डिण्डोर, सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी पवन शर्मा एवं श्रीमती ऋतु सोढ़ी (उदयपुर) और मीडियाकर्मियों ने शॉल ओढ़ाकर उनका अभिनन्दन किया। जनसंपर्क विभागीय अधिकारियों एवं कार्मिकों ने अतिरिक्त निदेशक गोपेन्द्रनाथ भट्ट की सूचना एवं जनसंपर्क क्षेत्र की दीर्घकालीन सेवाओं के लिए सराहना की।

समाज कल्याण बोर्ड अध्यक्ष ने किया शिशु पालना गृहों का निरीक्षण

जयपुर। राज्य समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती कमला कस्वां ने धौलपुर जिले के कुछ शिशु पालना गृहों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाऐं देखी और सम्बन्धित अधिकारियों की बैठक लेकर महिला और शिशुओं के कल्याण के लिए विभागों को समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए।

श्रीमती कस्वा ने लुहारी, घुघरी और मांगरोल में एनजीओ द्वारा संचालित शिशु पालना गृहों का निरीक्षण किया। उन्होंने सैंपऊ के घुघरी में राशन कम मिलने पर आगामी 2 दिनों में राशन की व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि रियो ओलम्पिक में शानदार प्रदर्शन कर साक्षी और सिंधु ने देश का मान बढाया है। उन्होंने कहा कि बेटियां किसी भी रूप में बेटों से कम नहीं है। बेटियों की शिक्षा, रोजगार के लिए राज्य सरकार पूरे प्रयास कर रही है। समाज कल्याण बोर्ड बेटियों को सिलाई कढ़ाई का प्रशिक्षण देने के लिए विशेष योजना शुरू करने जा रही है।

उन्होंने बताया कि शिशु पालना गृह, परिवार परामर्श केन्द्र और शॉर्ट स्टे होम की संख्या बढेगी। इसके लिए राज्य सरकार से सहयोग लिया जायेगा।

श्रीमत्री कस्वां ने चिकित्सा, महिला एवं बाल विकास, श्रम, आजीविका समाज कल्याण विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर महिला, विकलांग, बच्चों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं में समन्वय से कार्य का सभी पात्रों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

आंध्रप्रदेश के अधिकारियों ने की पालनहार योजना की सराहना

जयपुर। आंध्रप्रदेश के अधिकारियों ने राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा बेसहारा बच्चों के संरक्षण के लिए संचालित पालनहार योजना की बेहतर क्रियान्वयन की सराहना की है। आंध्रप्रदेश सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग के सयुंक्त सचिव श्रीमती श्याम सुन्दरई के नेतृत्व में आये अधिकारियों के दल ने अम्बेडकर भवन सभागार में संचालित पालनहार योजना के क्रियान्वयन का प्रस्तुतीकरण देखा। अधिकारियों ने कहा कि राजस्थान सरकार की पालनहार योजना को आंध्रप्रदेश में भी लागू करने का प्रयास किया जायेगा। विभाग के निदेशक रवि जैन ने आंध्रप्रदेश के अधिकारियों को पालनहार योजना की विस्तार से जानकारी दी और बताया कि राज्य में 0.18 साल तक के बेसहारा बच्चों के पालन-पोषण एवं शिक्षण के लिए सहायता दी जाती है। 0 से 6 वर्ष तक को 500 रुपये एवं 6 से 18 वर्ष तक के बच्चों को 1000 रुपये प्रतिमाह सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने योजना की पात्रता, आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज, आवेदन करने की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। आंध्रप्रदेश के अधिकारियों ने अतिरिक्त निदेशक अशोक जांगिड़ एवं एनालिस्ट कम प्रोग्रामर मुकेश अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से पालनहार योजना को विस्तार से जाना। इसके बाद प्रतापनगर में जाकर पालनहार योजना का लाभ ले रहे बच्चों एवं परिवारों से मिलकर योजना से होने वाले फायदे की जानकारी ली।

विशेष योग्यजनों के लिए लगाये जायेंगे शिविर

जयपुर। जिला कलक्टर सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट के सभागार में विशेष योग्यजनों का चिह्नीकरण कर उन्हें लाभान्वित करने के सम्बंध में बैठक आयोजित हुई जिसमें जिला कलक्टर ने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने कहा कि विशेष योग्यजनों को चिह्नीकरण कर उन्हें लाभान्वित करने के उद्देश्य से पंचायत समिति व नगर निगम जोन स्तर पर शिविर लगाकर लाभान्वित किया जायेगा। जिला कलक्टर ने इसे गम्भीरता से लेते हुये अधिकारियों को निर्देश दिये है कि वे आयोजित शिविरों में ज्यादा से ज्यादा विशेष योग्यजनों का चिह्नीकरण कर उन्हें लाभान्वित करें। उन्होंने पूर्व चिह्नित योग्यजनों के आवेदन पत्रों पर तत्काल कार्यवाही कर लाभान्वित करने के निर्देश दिये। उन्होंने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये है कि वे विशेष योग्यजनों का चिह्नीकरण कर उनके युनिक पहचान पत्र बनानें, उन्हें आवश्यकतानुसार उपकरण उपलब्ध करवाने, पेंशन प्रकरण तैयार करवाने आदि के कार्य शिविर में ही तैयार करने के निर्देश दिये ।

दिव्यांग स्वाभिमान व समरसता रैली

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान की ओर से स्वतंत्रता दिवस पर संस्थापक कैलाश मानव के सानिध्य में शहर में दिव्यांग स्वाभिमान एवं समरसता रैली निकाली गई। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि रैली प्रात: 10 बजे चैतक चौराहा से देहली गेट, सुरजपोल, कुम्हारों का भट्टा, सेवाश्रम होते हुए हिरण मगरी, सेक्टर-4 स्थित संस्थान प्रांगण में पहुंची। रैली में दिव्यांगजन ट्राईसाइकल पर थे जबकि रैली का नेतृत्व अंतर्राष्ट्रीय स्वेच्छिक रक्तदाता वेबसाइट और राईडर्स क्लब के प्रमुख संजय अग्रवाल ने किया। निदेशक वंदना अग्रवाल ने बताया कि रैली समाज में रक्तदान के प्रति जागरुकता और दिव्यांगों के प्रति जिम्मेदारी के निर्वाह के लिए आयोजित की गई थी।

गरीब घर के चिरागों को किया रोशन

उदयपुर। जहां पढ़ने-लिखने की चाह हो, वहां आर्थिक मजबूरियां भी धराशायी हो जाती है, नारायण सेवा संस्थान ने दो गरीब बच्चों को राजस्थान विद्यापीठ महाविद्यालय से एम.एस.डब्ल्यू. कोर्स कराने के लिए उनका शिक्षण शुल्क लगभग 76 हजार रुपया अपनी और से प्रदान किया। प्रतापनगर और उदयपुर के निकटवर्ती गांव हरियाव के रहने वाले गोविंद सालवी व वरदीचंद

मेघवाल बहुत ही गरीब परिवार से संबंध रखते है, इन दोनों बच्चों ने प्रारंभिक शिक्षा भी संस्थान के महावीर बालग्रह से प्राप्त की थी और वे शिक्षण शुल्क भरने में असमर्थ थे। ऐसे में संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल व निदेशक वंदना अग्रवाल ने इन दोनों विद्यार्थियों को शिक्षा शुल्क के चेक प्रदान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना कि।

नारायण सेवा संस्थान में ध्वजारोहण

उदयपुर। स्वतंत्रता दिवस पर नारायण सेवा संस्थान के मानव मंदिर में संस्थापक कैलाश मानव सेवाधाम व अंकुर काम्पलेक्स में सह-संस्थापिका श्रीमती कमला देवी व प्रशांत अग्रवाल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। बड़ी ग्राम स्थित सेवा महातीर्थ में डॉ. ए.एस. चुण्डावत ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर अपना घर के प्रज्ञाचक्षु, विमंदित व मूक-बधिर बच्चों ने देशभक्ति परक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। संचालन महिम जैन ने किया।

विकलांग मंच वेबसाइट पर भी

विकलांग मंच के सभी सुधि पाठकों से निवेदन है कि आपका राष्ट्रीय पाक्षिक समाचार पत्र 'विकलांग मंच' अब वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। पाठक नवीनतम अंक के लिए www.lbdvs.org पर अवलोकन करें।

-प्रबंधक

सुधि शुभचिंतकों की सूचनार्थ

समाज के सर्वहारा वर्ग का प्रकाशन विकलांग मंच समाज, शासन एवं नि:शक्तजनों के मध्य सेतु माध्यम का अकिंचन प्रयास है। देश के अन्य राज्यों सहित राजस्थान में नि:शक्तजनों के कल्याणार्थ किए गए कार्यों की जानकारी समाज के सामने रखने का प्रकाशन का पूरा प्रयास रहता हैं। उदारमना महानुभावों के सहयोग से व्यापक प्रसार संख्या वाले इस प्रकाशन की नि:शक्तजनों की सेवा में महती भूमिका है।

आपश्री से निवेदन है कि कृपया आप स्वयं एवं अपने परिचितों को विकलांग मंच का सदस्य (सहयोग राशि आजीवन 500/- अथवा वार्षिक 50/-रूपये मात्र) बनने के लिए प्रेरित करें। आपश्री अपनी सहयोग राशि मनीआर्डर/ डीडी/ पोस्टल आर्डर/ एट पार चेक (जो विकलांग मंच जयपुर के नाम देय हो) द्वारा निम्न पते पर भिजवा सकते हैं। इसके अलावा आपश्री अपनी सहयोग राशि भारतीय स्टेट बैंक में विकलांग मंच के खाता संख्या 32093997756 में भी सीधे जमा करा कर मोबाइल फोन 09352320013 अथवा ई-मेल vicklangmanch@gmail.com पर मैसेज (अपने डाक पते सहित) देने का अनुग्रह करें।

प्रबंधक, विकलांग मंच

8/141,मालवीय नगर, जयपुर-302 017

फोन : 0141-2547156, फैक्स : 0141-4036350

दिव्यांग बच्चे राष्ट्रीय चैम्पियनशिप (बूची) में बढ़ायेंगे राजस्थान का गौरव

अजमेर। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल द्वारा संचालित मीनू स्कूल चाचियावास से दो विद्यार्थी फाल्गुन चौहान पुत्र महेश चौहान एवं दीपेश जैन पुत्र दीपक जैन बूची खेल के लिए स्पेशल ऑलम्पिक भारत के तत्वाधान में स्पेशल ऑलम्पिक बिहार (पटना) में आयोजित राष्ट्रीय चेम्पियनशिप के लिए रवाना हुए।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में खो-खो संघ अजमेर के अध्यक्ष एवं पूर्व उपसभापति सोमरतन आर्य ने बच्चों को व उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि आज मुझे बेहद खुशी हो रही है कि अजमेर से राजस्थान की टीम की तरफ से राष्ट्रीय चेम्पियनशिप खेलने के लिए मीनू स्कूल के दो बच्चों का चयन हुआ है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मीनू स्कूल के कोच भी धन्यवाद के पात्र है जो लगातार इन बच्चों के साथ मेहनत करते है जिससे इन बच्चों को यह मुकाम हासिल हुआ है। संस्था की सचिव एवं मुख्य कार्यकारी श्रीमती क्षमा.आर.कौशिक ने बताया कि विद्यालय में सभी बच्चों को गेम्स व स्पोर्टस हेतु तैयार किया जाता है जिसमें रोलर स्केटिंग, बूची, टेबल टेनिस, क्रिकेट आदि।

विद्यालय के बच्चों ने जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में भागीदारी कर कई बार गोल्ड मेडल हासिल किए है। इस अवसर पर संस्था के निदेशक राकेश कुमार कौशिक, तरूण शर्मा, भगवान सहाय शर्मा, कोच रामेश्वरलाल प्रजापत, पदमा चौहान आदि उपस्थित थे।

दिव्यांग बच्चों ने बांधे रक्षा सूत्र

अजमेर। रक्षा बन्धन के पवित्र अवसर पर राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था चाचियावास द्वारा संचालिता मीनू स्कूल एवं चाइल्ड लाइन के बच्चों ने विभिन्न कार्यालयों में पंहुचकर रक्षा सूत्र बांधकर समाज से ऐसे सेवकों को जो दिन रात हमारी सेवा में लगे रहते है को भी रक्षा बन्धन के त्यौहार में शामिल करने का प्रयास किया। मीनू स्कूल के श्री ईश्वर शर्मा ने बताया कि विद्यालय की बाल संसद की बैठक में निर्णय लिया गया था कि जो विभाग और अधिकरी रात दिन हमारी सेवा में लगे रहते है उन्हें रक्षा सूत्र बांधकर राखी का त्यौहार उनके साथ मनाएंगे। उसके लिए विद्यालय के बच्चों को तीन समूह में बांटा गया। प्रथम समूह ने कलेक्ट्रट में जाकर जिलाधीश महोदय गौरव गोयल, अविनाश (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक) व अन्य उपस्थित अधिकारियों के रक्षा सूत्र बांधा इस अवसर पर जिलाधीश महोदय ने बच्चों को धन्यवाद और बधाई दी।

द्वितीय समूह ने जे.एल.एन अस्पताल में जाकर प्रशासनिक विभाग में अस्पताल उप अधिक्षक डॉ. विजय लक्ष्मी व अन्य चिकित्सकों को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षा बन्धन की बधाई दी।

तीसरा समूह रोडवेज बस स्टेण्ड पर जाकर सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती अल्का सिसोदिया, तेजराज टांक मुख्य आगार प्रबन्धक, राय लाल (प्रबन्धक) प्रशासन व भोला नाथ आचार्य, श्रीमती रेणु वर्मा, श्रीमती पूजा बागड़ी आदि को भी स्वयं के हाथों से बना रक्षा सूत्र बांधा इस अवसर पर श्रीमती सिसोदिया ने बच्चों को बस पास बनाने की प्रक्रिया समझाई तथा रोडवेज बस स्टेण्ड के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर संस्था के प्रवीण कुमार, सन्नी कान्हेकर, करूणा शर्मा, जय प्रकाश, वनिता, राजेन्द्र, ललीता प्रजापत, गार्गी बत्रा एवं कृष्णा थाड़ा उपस्थित थे।

मीनू स्कूल ने धूमधाम से मनाया 70 वॉ स्वतन्त्रता दिवस

वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण बचाने का सन्देश

राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था चाचियावास द्वारा संचालित मीनू स्कूल के बच्चों ने 70वॉ स्वतन्त्रता दिवस धूम धाम व हर्सोल्लास से मनाया।

संस्था निदेशक राकेश कुमार कौशिक के अनुसार मीनू स्कूल के दिव्यांग व सामान्य बच्चों ने राउण्ड टेबल क्लब अजमेर एवं रूट क्लब अजमेर के पदाधिकारियों के साथ ध्वजारोहण कर 70 वॉ स्वतन्त्रता दिवस मनाया। बच्चों ने देश भक्ति तरानों पर सम्मिलित नृत्य प्रस्तुतियॉ देकर सभी का मन मोहा। विशेष शिक्षा के प्रशिक्षणार्थियों ने फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी, हम इण्डिया वाले एवं वन्दे मातरम गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। मीनू स्कूल के बच्चों ने मन चंगा तो कठौति में गंगा शीर्षक नाटक का मंचन कर देश भक्ति का सन्देश दिया। कार्यक्रम के दौरान राउण्ड टेबल अजमेर, रूट क्लब अजमेर एवं मीनू स्कूल के बच्चों ने वृक्षारोपण करके पर्यावरण बचाने का सन्देश दिया।

कार्यक्रम में राउण्ड टेबल अजमेर के अध्यक्ष प्रशान्त कुमार व सचिव वरूण कुमार तथा रूट क्लब अजमेर के सचिव महावीर शर्मा, संस्था के संस्थापक सागरमल कौशिक, सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी की अपर्णा आदि विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संस्था निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने सभी का स्वागत कर संस्थागत कार्यों की जानकारी दी एवं केन्द्र प्रभारी तरूण शर्मा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम समन्वयक नानूलाल प्रजापति ने समारोह का संचालन किया एवं नेमीचन्द वैष्णव, भगवान सहाय शर्मा, अनुराग सक्सेना, ईश्वर शर्मा, लक्ष्मण सिंह चौहान, रामेश्वर प्रजापति एवं संस्था के समस्त स्टाफने सहयोग किया।

दिव्यांगों के हौसले को नई उड़ान देने पर्दे पर दिखेगी झारखंड के पहले दृष्टिहीन आईएएस की कहानी

रांची। 1998, 2002 और 2006 में आयोजित विश्व कप क्रिकेट प्रतियोगिता में दृष्टिबाधित भारतीय क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके देश के पहले दृष्टिबाधित आईएएस अफसर राजेश सिंह पर भारत सरकार लघु फिल्म बनाएगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के फिल्म डिवीजन ने इस संदर्भ में सीएमओ को पत्र भेजा है। पत्र के अनुसार फिल्म 10 से 15 जून के बीच झारखंड में शूट की जाएगी, जो 2007 बैच के इस आईएएस अफसर के अब तक के संघर्ष की कहानी पर केंद्रित होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास और मुख्य सचिव राजबाला वर्मा फिल्म में दृष्टिबाधितों को संदेश देते नजर आएंगे। दिव्यांगों के हौसले को नई उड़ान देने के उद्देश्य से तैयार होने वाली यह फिल्म देश के विभिन्न थियेटरों तथा विशेषकर दूरदर्शन पर प्रसारित होगी। राजेश वर्तमान में झारखंड में महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग में संयुक्त सचिव पद पर तैनात हैं।

राजेश ने लगभग आठ महीने की कड़ी मेहनत से अपने संघर्ष की कहानी, पुटिंग द आई इन आईएएस नामक पुस्तक में लिखी है, जिसका विमोचन इसी वर्ष 17 फरवरी को लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने किया था। राजेश के जीवन संघर्ष की बात करें तो बचपन से ही क्रिकेट में उनकी दिलचस्पी रही है। जब वे छह साल के थे, क्रिकेट बॉल को कैच करने के दौरान कुएं में गिर पड़े और सदा के लिए अपनी रोशनी खो दी। बकौल राजेश रोशनी खोने का गम जरूर है, लेकिन दृष्टि से अधिक महत्व दृष्टिकोण का होता है और इसी के बूते उन्होंने यहां तक की यात्रा तय की है। देहरादून मॉडल स्कूल से 12वीं तक की शिक्षा ग्रहण करने वाले राजेश ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से इतिहास में पीजी की परीक्षा पास की और तमाम चुनौतियों का सामना करते हुए देश की सबसे प्रतिष्ठित सेवा के लिए चयनित हुए। परंतु व्यवस्था आंखों से निशक्त राजेश को आइएएस बनाने के पक्ष में रोड़ा बनकर खड़ी हो गई। राजेश ने यहां भी हार नहीं मानी और सुप्रीम कोर्ट में यूपीएससी को चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट का फैसला उनके पक्ष में आया और 2011 में उन्हें आईएएस की ट्रेनिंग के लिए भेजा गया।

रमण सिंह का आर्य समाज द्वारा स्वागत

कोटा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डा. रमण सिंह का मंगलवार को प्रात: आर्यसमाज के प्रतिनिधिमण्डल ने हवाई अड्डे पर केसरिया साफा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया।

आर्यसमाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चढ्डा की अगुवाई में जिला मंत्री कैलाश बाहेती, तलवंडी आर्यसमाज के प्रधान आर.सी. आर्य, भीमगंजमण्डी के प्रधान प्रेमनाथ कौशल, रेलवे कॉलोनी के मंत्री कर्णसिंह, तलवंडी के पूर्व मंत्री लालचंद आर्य, डीएवी पब्लिक स्कूल की आचार्या सरिता रंजन गौतम, धर्मशिक्षक शोभाराम आर्य, राजीव आर्य, वेदभूषण आर्य ने मुख्यमंत्री रमण सिंह को केसरिया साफा पहनाकर स्वागत किया एवं गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ 21 किलो फूलों की माला पहनाई। इस मौके पर अर्जुनदेव चढ्डा ने कोटा में आर्यसमाज द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जानकारी दी। सांसद ओम बिरला ने मुख्यमंत्री को बताया कि अर्जुनदेव चढ्डा की अगुवाई में आर्यसमाज सामाजिक जागरूकता व समाज सेवा के अनेक कार्यक्रम किए जा रहे हैं।

डीएवी कोटा की ओर से प्रिंसीपल सरिता रंजन गौतम, अर्जुनदेव चढ्डा, शोभाराम आर्य ने फूलों का गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया। डॉ. रमणसिंह ने कहा कि हमने छत्तीसगढ़ में 72 स्कूल डीएवी प्रबंधन को दे दिये हैं।

श्रद्धा सदन में ग्रामीण बच्चों के लिए संचालित प्रशिक्षण केन्द्रों की सराहना

दिल्ली। तरुण मित्र परिषद, श्रद्धा सदन, हस्तिनापुर का 7वां वार्षिक शिलान्यास समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

ऑल इंडिया जैन कान्फ्रेंस के पूर्व चेयरमैन आनंद प्रकाश जैश ने समारोह का उद्घाटन करते हुए, श्रद्धा सदन में ग्रामीण बच्चों के लिए संचालित प्रशिक्षण केन्द्रों की सराहना की। प्रारम्भ में आत्मानंद जैन हाई स्कूल के प्रधानाचार्य महेन्द्र कुमार जैश ने ध्वजारोहण किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ज्योतिषार्य मोती मेहता ने की। श्री दिगंबर जैन उत्तर प्रांतीय गुरूकुल के अध्यक्ष धनपाल सिंह जैन ने कहा कि तरुण मित्र परिषद ने इस ऐतिहासिक नगरी में साधनहीन बच्चों को प्रशिक्षित करने का जो बीड़ा उठाया है, प्रसंशनीय है।

परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि श्रद्धा सदन में बच्चों को गत 3 वर्षों से कम्प्यूटर प्रशिक्षण, सिलाई प्रशिक्षण के अतिरिक्त रोगियों की एक्यूप्रैशर पद्धति से रोगियों की चिकित्सा की जा रही है। समारोह में बाल कलाकारों ने भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिन्हें श्रद्धा सदन समिति के प्रमुख सदस्य सुभाष चंद जैन ने उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

खेमराज के परिवार को मिली मुस्कान

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान द्वारा संस्थान संस्थापक कैलाश मानव के सानिध्य में भीण्डर के खेमराज अहीर को चाय का ठेला मय आवश्यक सामान, रोजगार के लिए दिया गया। निदेशक वंदना अग्रवाल ने बताया कि हिता (भीण्डर) के रहने वाले खेमराज खेती कर बमुश्किल से 5 सदस्यीय परिवार का गुजारा कर रहे हैं। परिवार में उनके अलावा पत्नी, 2 बेटीयां व 1 बेटा है। 4 वर्ष पूर्व उनकी बड़ी पुत्री रोशनी (24 वर्ष) का हार्ट का ऑपरेशन भी संस्थान द्वारा बैंगलुरू में करवाया गया था। रोशनी अब बिलकुल स्वस्थ्य हैं और संस्थान में सिलाई का प्रशिक्षण ले रही हैं। खेमराज ने संस्थान को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि संस्थान की वजह से ही उनकी बेटी उनके साथ है और घर में वर्षों बाद खुशियां लौटी हैं।

विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिए गए

दिल्ली। तरूण मित्र परिषद द्वारा श्रद्धा सदन में अध्ययनरत सफल विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिए गए । परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि श्रद्धा सदन में गत 3 वर्षों से साधनहीन ग्रामीण बच्चों को कम्प्यूटर, महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण प्रदान करने के अतिरिक्त रोगियों की एक्यू प्रैशर पद्धति द्वारा

चिकित्सा की जा रही है। श्रद्धा सदन समिति के प्रमुख सदस्य सुभाष चंद जैन ने विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए कहा कि परिषद द्वारा यहाँ अन्य समाजोपगी कार्य भी प्रारम्भ किए जाएंगे। इस अवसर पर 8 सफल विद्यार्थियों को कम्प्यूटर व 4 बालिकाओं को सिलाई प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किए।

जब आपका लैंडलाइन फोन खराब हो तो उस अवधि का किराया नहीं देना पड़े

नई दिल्ली। संभव है कि अगली बार जब आपका लैंडलाइन फोन खराब हो तो आपको उस अवधि का किराया नहीं देना पड़े। दूरसंचार मंत्रालय ने इस पर एमटीएनएल और बीएसएनएल दोनों से राय मांगी है। अगले दो माह में निर्णय संभव है। एक अधिकारी ने बताया कि हाल ही में समीक्षा की गई थी कि आखिर क्यों निजी कंपनियां लगातार आगे बढ़ रही हैं और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को नुकसान हो रहा है। खासकर लैंडलाइन वर्ग में ब्रॉडबैंड की वजह से तेजी आनी चाहिए। लेकिन वहां भी हालात खराब हैं। समीक्षा में सामने आया कि अगर एमटीएनएल और बीएसएनएल के फोन खराब हो जाते हैं तो महीनों तक खराब रहते हैं और उनके सुधार के लिए तुरंत कोई काम भी नहीं होता। साथ ही फोन खराब रहने की अवधि का भी बिल वसूला जाता है। जबकि निजी कंपनियां लैंडलाइन खराब होने की स्थिति में उस अवधि का किराया नहीं लेती हैं। दूरसंचार मंत्रालय ने एमटीएनएल तथा बीएसएनएल दोनों से इस मसले पर राय मांगी है कि वो भी ऐसा क्यों नहीं करते हैं। बीएसएनएल पहली बार ऑपरेटिंग घाटा खत्म करने और निजी कंपनियों से अधिक ग्राहक मोबाइल के लिए जोड़ने में सफल रहा है। उसने संकेत दिए हैं कि वह इस तरह की सुविधा दे सकता है।

नेत्रदान

इसे बनाएं अपने परिवार की परम्परा

नेत्रदान के बारे में तथ्य

-- किसी भी आयु का कोई भी व्यक्ति नेत्रदान कर सकता है।
-- एक व्यक्ति द्वारा दान की गई आंखें दो नेत्रहीनों को रोशनी दे सकती है।
-- मृत्यु के 4-6 घंटे तक आंखे दान देने के योग्य रहती हैं।
-- आंखें खरीदी अथवा बेची नहीं जा सकती।
-- नेत्रदान का प्रण पहले न किया हो तो भी नेत्रदान किया जा सकता है।
-- इस प्रक्रिया में केवल 15-20 मिनट लगते हैं।
-- सभी धर्म नेत्रदान का समर्थन करते हैं।

सौजन्य : **लुई-ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान**

एच-32, बढ़ारणा, टेलीकॉम ट्रेनिंग सेन्टर के पीछे, वाया रोड नं. 14, वी.के.आई., जयपुर-302013, फोन:0141-4023328, 2235738, मो.:09314561988 (सचिव)

दिव्यांगों के कल्याण के लिए इस वर्ष खर्च होंगे 700 करोड़: डॉ. अग्रवाल

उदयपुर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सचिव डॉ. विनोद अग्रवाल ने कहा कि भारत सरकार इस वर्ष दिव्यांग के कल्याण एवं पुनर्वास के क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं में 700 करोड़ रु. खर्च करेगी। वे नारायण सेवा संस्थान के बड़ी ग्राम स्थित परिसर में 501 दिव्यांगजन एवं पूर्व पोलियोग्रस्त ऑपरेशन शिविर का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों की देखभाल के लिए देश में चल रहे 568 डे-केयर सेंटरो की संख्या बढ़ाने के साथ ही उनके भारत भ्रमण की योजना तैयार की जा रही है, जहां उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि रेलवे प्लेटफोर्म पर ट्रेन से चढ़ने उतरने के साथ ही दिव्यांगों के लिए रेलों में अलग से कोच भी लगाए जा रहे हैं। उन्होंने दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरित करते हुए कहा कि हिम्मत न हारे, पुरा देश उनके साथ खड़ा है। उन्होंने बताया कि दिव्यांगों के लिए केन्द्र सरकार शीघ्र ही त्रिवेन्द्रम में विश्वविद्यालय स्थापित करेगी।

संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश मानव ने आरम्भ में डॉ. अग्रवाल, उनकी पत्नी अनिता अग्रवाल व माता ओमवती अग्रवाल का स्वागत करते हुए संस्थान में दिव्यांगों कि नि:शुल्क की जा रही चिकित्सा, स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण एवं पुनर्वास की विभिन्न योजनाओं से अवगत करवाया एवं डॉ. अग्रवाल ने केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का भी निरीक्षण किया।

संस्थापक मानव, निदेशक वंदना अग्रवाल व ट्रस्टी देवेन्द्र चौबीसा ने उन्हें शॉल ओढाकर व श्रीनाथ जी की तस्वीर भेंट कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार की ओर से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक गिरिश भटनागर ने डॉ. अग्रवाल का स्वागत करते हुए दिव्यांगजन के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि दिल्ली के बृजभूषण गोयल व पंचकुला के अजय अग्रवाल थे। संचालन महिम जैन व ओमपाल सिलन ने किया।

संचार को नया रूप प्रदान कर रहा है सोशल मीडिया : कर्नल राठौर

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौर ने कहा है कि त्वरित संचार एवं मल्टीमीडिया प्लेटफॉर्मों के वर्चस्व वाले मौजूदा मीडिया परिदृश्य में सरकारी संवाद के लिहाज से नागरिकों की सहभागिता और दोतरफा संचार की विशेष अहमियत है। इस संदर्भ में एक संचार प्लेटफॉर्म के रूप में सोशल मीडिया अधिकतम शासन पर अपना ध्यान केन्द्रित करने वाली सरकार में एक किफायती और प्रभावशाली साधन के रूप में उभर कर सामने आया है। इसकी ताकत और प्रभाव का उल्लेख करते हुए कर्नल राठौर ने कहा कि आज सोशल मीडिया पर व्यक्त की जाने वाली प्रतिक्रियाएं विश्व भर में विभिन्न देशों में होने वाली चर्चाओं और वाद विवाद को नया रूप प्रदान कर रही हैं। उभरता परिदृश्य अन्य मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी हावी है।

मंत्री महोदय ने यहां नेशनल मीडिया सेंटर में सरकारी संचार के लिए फेसबुक के कारगर उपयोग पर आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए ये बातें कहीं। सूचना एवं प्रसारण सचिव अजय मित्तल, पीआईबी के महानिदेशक फ्रैंक नोरोन्हाए संचार एवं प्रसारण मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों/विभागों के अधिकारीगण और भारत, दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए पॉलिसी डायरेक्टर सुश्री अंखी दास के अलावा फेसबुक की ओर से वैश्विक निदेशक (राजनीति एवं सरकार) सुश्री कैटी हार्बथ भी इस अवसर पर उपस्थित थीं।

मंत्री महोदय ने यह भी कहा कि सरकार के सामने चुनौती यह है कि नागरिकों के साथ संवाद करने के लिए सही सामग्री एवं ज्ञान के साथ अपने दृष्टिकोण एवं रणनीति को किस तरह नये सिरे से अनुकूल बनाया जाए एवं दुरुस्त किया जाएए ताकि उन्हें सशक्त बनाया जा सके। गुणवत्ता एवं सटीक सूचनाओं की बढ़ती मांग और संचार के गतिशील माध्यम के रूप में सोशल मीडिया को ध्यान में रखते हुए यह खास अहमियत रखता है, क्योंकि इस पर महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में तत्काल धारणाएं बन जाती हैं। इस संदर्भ में पत्र सूचना कार्यालय द्वारा क्षमता सृजन के लिए उठाए गए कदमों से न केवल सरकार की संस्थागत क्षमता सुदृढ़ होगी, बल्कि इससे सरकार को समस्त सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर एक व्यापक संचार रणनीति को मुख्यधारा में लाने में भी मदद मिलेगी।

बजट के लिए अपनाए गए संचार दृष्टिकोण का उदाहरण देते हुए मंत्री महोदय ने कहा कि नागरिकों के साथ यथासमय, निरंतर, व्यक्तिगत, रचनात्मक एवं रोचक ढंग से संवाद करने की जरूरत है। इसे ध्यान में रखते हुए बजट के प्रावधानों को सरल बनाने के लिए इन्फोग्राफिक्स और रचनात्मक ग्राफिक्स तैयार किए गए, ताकि लोग उन्हें आसानी से समझ सकें और सरकार की योजनाओं एवं कदमों से लाभान्वित हो सकें।

दिव्यांग के साथ रेलवे की नाइंसाफी सहयोगी साथ न होने पर जुर्माना

मुंबई। विक्टर राड्रिग्स काफी छोटी उम्र में ही स्वतंत्र रूप से चलने में असमर्थ हो गये थे पर क्रच की मदद से कोई भी ऐसा काम नहीं था जो वो कर नहीं सकते। 45 वर्षीय विक्टर खुद को हमेशा सक्षम मानते रहे और पूरी जिंदगी अपने सारे कामों को खुद ही किया। कभी भी खुद को अपाहिज या किसी पर आश्रित नहीं होने दिया। लेकिन गत हफ्ते कोंकण रेलवे ने उन्हें इस बात का अहसास करने पर मजबूर कर दिया।

देश में अभी भी दिव्यांगों के लिए दी जाने वाली बेसिक सुविधाओं में कमी है। लेकिन अभी दिए जा रहे कुछ रियायतों में से एक है रेलवे बुकिंग्स में डिसेबल कोटा। इसी कोटा के तहत विक्टर ने मुंबई से कर्नाटक के लिए मतस्यगंधा एक्सप्रेस में अपने व एस्कार्ट दोनों के लिए टिकट बुक कराया। पर इस यात्रा के दौरान उनका साथ देने के लिए परिवार का कोई सदस्य नहीं होने पर विक्टर ने अकेले जाने का निर्णय लिया क्योंकि अब तक वह खुद ही सभी कामों को करते थे। विक्टर रॉड्रिग्स को चलने के लिए क्रच की जरूरत होती है लेकिन वह किसी पर भी निर्भर नहीं हैं।

दिव्यांगों को सुविधा दिलाने की मांग

रेलवे ऐसा नहीं सोचती। 3 जून को विक्टर मुंबई वापस लौट रहे थे, तभी भटकल में टिकट चेकर ने जांच के लिए टिकट मांगा। उसने विक्टर से एस्कार्ट के बारे में पूछा और विक्टर ने कहा कि वे अकेले हैं।

विक्टर ने बताया, जब मैंने उन्हें बताया कि मेरे साथ कोई एस्कार्ट नहीं तो उसने कहा मेरा टिकट कैंसिल हो गया। शाम का समय था और मैं वापिस नहीं जा सकता था इसलिए मैंने कहा कि मैं जुर्माना दूंगा। इस तरह के नियम व्यक्ति के आत्मविश्वास को तोड़ते हैं।

उन्होंने आगे बताया, आमतौर पर मेरी मां मेरे साथ यात्रा करती है, लेकिन वह देश से बाहर थी। मैंने अपने भाई से साथ चलने को कहा लेकिन उसे अवकाश नहीं मिल सकी और इसलिए मुझे अकेले ही जाना पड़ा।

EDUCATION is the birth right of every child
Nothing can stop them from having it, not even VISUAL DISABILITY

THE AUDIO BOOK PROJECT, a WE4YOU initiative
assisting the visually challenged in pursuing their DREAMS

Come, be a part of it.
DONATE YOUR VOICE

WE4YOU
An initiative by young minds

call: 9853337095, 9040037095, 9040278818, 9437428080
visit: www.we4you.org.in